This question paper contains 8 printed pages.

6862 *Your Roll No.* .....

LL.B. / III Term G

LB-302 : CODE OF CIVIL PROCEDURE AND LIMITATION ACT

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt five questions in all, selecting at least one question from each Part. All questions carry equal marks.

प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक प्रश्न चुनते हुये, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART A (भाग अ)

One question is compulsory.

एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

1. Attempt any *four* of the following:

   (a) Difference between order, judgement and decree

   (b) Legal representative

   (c) Suits by or against government

   (d) Reference

   (e) Inherent powers of court.

   निम्न में से किन्हीं चार को कीजिये:

   (a) डिक्री, आदेश और निर्णय में अन्तर

   (b) कानूनी प्रतिनिधि

   (c) सरकार के द्वारा और के विरूद्ध अभियोग

   (d) निवेदन

   (e) न्यायालय की निहित शक्तियाँ।

2. (a) Discuss the provisions relating to production of additional evidence in appellate court. Is it permissible at the second appellate stage?

   अपीलीय न्यायालय में अतिरिक्त सबूत पेश करने से सम्बन्धित प्रावधानों का विवेचन कीजिये।

   (b) Appreciate the scope of review under Order XLVII of C.P.C. Also cite the relevant case law.

   CPC के ORDER XLVII के अन्तर्गत पुनर्विलोकन के

क्षेत्र का मूल्यांकन कीजिए। निर्णीत वाद-विधि का उद्धरण भी कीजिये।

3. (a) A provision inserted by an amendment in the Bombay Tenancy and Agricultural Lands Act, 1948, provides that the issue whether a person is an agriculturalist or not is to be decided by the competent authority under the Act. However, a Civil Court decides the above issue on the basis that it has jurisdiction to decide any incidental or residuary issue in a suit which it is competent to decide. An appeal is filed in the respective high court against the said excercise of jurisdiction by the civil court. Decide in the light of relevant provisions of C.P.C. and the case law.

बोम्बे किरायेदारी और कृषि-योग्य भूमि अधिनियम, 1948 में संशोधन से जोड़े गये प्रावधान के अनुसार कोई व्यक्ति कृषक है या नहीं, का निर्णय अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम नियोग द्वारा किया जायेगा। तथापि दीवानी न्यायलय ने उपरिलिखित मामले को संज्ञान में ले लिया यह कहते हुए कि जिस वाद में निर्णय लेने में वह सक्षम है उसके किसी भी आकस्मिक या अवशिष्ट मुद्दे में निर्णय लेने का उसे क्षेत्राधिकार है। दीवानी न्यायालय द्वारा क्षेत्राधिकार के उक्त उपयोग के विरुद्ध सम्बन्धित उच्च न्यायलय में अपील दायर की जाती है। CPC के संगत प्रावधानों व वाद-विधि के प्रकाश में विनिश्चिय कीजिये।

(b) Write a short note on any *one* of the following:

निम्न में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:

(i) State of U.P. *V.* Nawab Hussain
AIR 1977 SC 1680

(ii) Ifthikar Ahmed *V* syed Meharban Ali
AIR 1974 SC 749.

4. (a) Differentiate between an Ordinary suit and a Summary suit. Explain the grounds on which leave to defend will be granted by the court in a summary suit.

साधारण मकद्दमे और अविलम्बित मुकद्दमे में अन्तर कीजिये। किसी अविलम्बित मुकद्दमे में न्यायालय द्वारा बचाव के लिये छूट दिये जाने के आधार समझाइये।

(b) "Power to grant injunction under O. 39 is extraordinary in nature and it must be exercised in accordance with sound judicial principles." Explain the principles involved.

"O. 39 के तहत् व्यादेश का अनुदान देने की शक्ति प्रकृति से असाधारण है और उसका उपयोग दृढ़ न्यायिक सिद्धान्तों के अनुसार होना चाहिये।" इन अन्तर्निहित सिद्धान्तों को समझाइये।

5. (a) 'A' files an election petition against 'B' challenging the election of 'B' before Election Tribunal. After due service of summons, 'B' files his counter and remains absent. The Tribunal conducts the proceedings *ex parte* and adduces the

evidence of the petitioner and three of his witnesses. 'B' appears before the Tribunal and seeks permission to participate in the proceedings and to set the clock back. Decide with provisions of statutory law and case law.

A चुनाव प्राधिकरण के समक्ष एक चुनाव-याचिका दाखिल करता है B के चुनाव को चुनौती देते हुए। सम्मन की प्राप्ति के बाद B अपना जवाब दाखिल करता है और अनुपस्थित हो जाता है। प्राधिकरण एकपक्षीय कार्यवाही करता है और याचिकाकर्त्ता और उसके तीन गवाहों के साक्ष्य सामने लाता है। B प्राधिकरण में उपस्थित होकर घड़ी को उल्टा घूमाने की आज्ञा चाहता है और अदालती कार्यवाही में भाग लेने की आज्ञा भी चहाता है। वाद-विधि और वैधानिक कानून के प्रावधानों के प्रकाश विनिश्चय कीजिये।

(b) What are the considerations the civil courts keep in mind while granting or rejecting an application for amendment of pleading?

अभिवचन में संशोधन करने के प्रार्थना-पत्र को स्वीकृत करने या खारिज करने के समय दिवानी न्यायालय किन विचारों को ध्यान रखता है?

PART B (भाग ब)

Any one question is compulsory.

6. (a) What are the guiding principles for condonation

of delay under section 5 of the Limitation Act? Is the position of government and private individuals same under section 5?

परिसीमन अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत विलम्ब की माफी के मार्गदर्शन सिद्धान्त क्या हैं? इसी धारा 5 के तहत सरकारी और निजी व्यक्तियों की क्या स्थिति है?

(b) Limitation only bars the remedy, but does not destroy the rights. Explain.

परिसीमन सिर्फ़ उपाय में बाधा है, अधिकार को नष्ट नहीं करता। समझाइए।

Or (अथवा)

Effect of frand or mistake on the limitation.

परिसीमन पर धोखा या ग़लती का प्रभाव।

7. (a) A suit was decreed in favour of Mohan and against Ram on 20.03.2001. On the request of Mohan the court staff prepared the decree on 15.05.2001. Ram knew that no decree was prepared upto 15.05.2001. Ram applied for the certified copy of the judgement and decree on 7.7.2001 which were ready on 10.09.2001 and were received by Ram on 11.09.2001. Ram filed appeal on 15.09.2001. Mohan contends on the ground that the appeal is time barred. Decide with relevant provisions of law and the case law. (Period of filing appeal in the high court is 90 days.)

20 मार्च 2001 को एक दावा मोहन के पक्ष में और राम के विरुद्ध डिक्री हुआ। मोहन की प्रार्थना पर न्यायालय स्टाफ ने 15/5/2001 को डिक्री तैयार कर दी। राम को यह पता था कि 15/5/2001 तक कोई डिक्री तैयार नहीं की गई थी। राम ने निर्णय और डिक्री की प्रमाणित प्रति के लिये 7/7/2001 को आवदेन किया। 10/9/2001 को दोनों प्रतियाँ तैयार हो गईं और 11/9/2001 को राम द्वारा प्राप्त की गईं। राम ने 15/9/2001 को अपील दाखिल की। मोहन दावा करता है कि समय वर्जित है कानून के प्रासंगिक प्रावधानों और वाद-विधि के प्रकाश में विनिश्चय कीजिये। (उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने की समयावधि 90 दिन है।)

(b) What are the essentials of a valid acknowledgement? Explain the distinction between acknowledgement and a part-payment with reference to case law and the provisions of Limitation Act, 1963.

वैध अभिस्वीकृति के आवश्यक तत्व क्या हैं? परिसीमांकन अधिनियम 1963 तथा वाद-विधि के प्रसंग में अभिस्वीकृति और आंशिक भुगतान का अन्तर समझाइये।

8. Write short notes any *two* of the following:

(a) Acquisition of Ownership by Possession.

(b) Limitation where no period is prescribed.

(c) Union of India *v.* West Coast Paper Mills Ltd.
AIR 2004 SC 1596.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) कब्ज़े द्वारा स्वामित्व का अर्जन

(b) परिसीमाकंन जहाँ समयावधि निर्धारित नहीं है

(c) भारत संघ बनाम वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लि०
AIR, 2004 SC 1596